CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 27-05-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 05-27-2026 00:00 Color:

नई दिल्ली > बुधवार, 27 मई 2026 > ज्येष्ठ 6 शक संवत 1948 ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी/द्वादशी, विक्रम संवत 2083

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 124 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित
*मासिक खरीद पर ही लागू
www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

सैम ऑल्टमैन ने कहा, AI से नौकरी जाने का खतरा नहीं

▶p16

आज के गेस्ट एडिटर

'गोल्ड, कॉपर..हमारे देश में कुदरती संसाधनों का खज़ाना है, लेकिन दुनिया नहीं चाहती कि...'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

वह जितने बड़े उद्योगपति हैं, उतने ही जमीन से जुड़े आम इंसान भी। उनके जितने सरोकार कारोबार से हैं, उससे ज्यादा उनको फिक्र देश के आगे बढ़ने, महिलाओं को उनका हक मिलने और उनकी मातृभूमि बिहार को उसकी सही पहचान मिलने को लेकर भी है। एनबीटी के न्यूज़रूम में इस बार गेस्ट एडिटर थे वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल। उन्होंने NBT की एडिटोरियल टीम के साथ देश और दुनिया के तमाम मुद्दों पर खुलकर बात की, अपनी बेबाक राय दी और इसके बाद हमारी न्यूज मीटिंग में शामिल होकर देश की बड़ी खबरों पर गेस्ट एडिटर के तौर पर अपना नजरिया भी दिया।

आज के अंक में आप पहले पेज से लेकर सिटी, खेल, संपादकीय और देश-विदेश की खबरों तक में उनके विचारों की झलकियां देखेंगे। वेदांता ग्रुप के अनिल अग्रवाल का मानना है कि हमारे देश की धरती के अंदर देव शक्ति है। हमारे पास सबसे ज्यादा प्रचुर मात्रा में रिसोर्स यानी संसाधन है, फिर चाहे वह सोना हो, कॉपर, बॉक्साइट या ऑयल ऐंड गैस... उन्होंने कहा मेरे पास प्रूफ नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि दुनिया नहीं चाहती है कि हम अपने कुदरती संसाधनों को खोलें, क्योंकि सबको भारत का मार्केट चाहिए। बाकी देशों के पास माल है, लेकिन जनता नहीं है और सब भारत की ओर देख रहे हैं। उन्होंने टीम एनबीटी के साथ बातचीत में कहा कि इस बात की पक्की गारंटी ले सकता हूं कि हिंदुस्तान में रिसोर्स के हिसाब से हमारे पास बहुत कुछ है, दुनिया के मुकाबले में अच्छे रिसोर्स हैं। हमारे पास नेचरल रिसोर्स बहुत अच्छा है, ह्यूमन रिसोर्स भी बहुत अच्छा है और टेक्नोलॉजी रिसोर्स भी डिवेलप किया जा सकता है। भारत के ऊपर उनका यह गजब का भरोसा शायद उनके अनुभव से आता है। यह बताते हुए उनकी आंखें चमक उठती हैं कि कैसे हिंदुस्तान जिंक और बाल्को की उत्पादन क्षमता में कई गुना उछाल लाकर उन्होंने दिखा दिया।

अनिल अग्रवाल उन गिने-चुने कारोबारियों में से हैं, जो वापस समाज को देने की बात करते हैं। उनका कहना था कि हमें पश्चिम के बिजनेस मॉडल को देखना चाहिए, जहां बिजनेस कॉरपोरेशन का रूप लेते हैं और लोग अपनी दौलत का बड़ा हिस्सा समाज को वापस देते हैं। अमेरिका को बड़ा बनाने वालों में जब नाम लिया जाता है तो उद्योगपतियों का लिया जाता है, लेकिन हमारे यहां इसमें शर्म महसूस की जाती है। इसे बदलना होगा। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने यह भी बताया कि कैसे उन्हें देश की महिला शक्ति पर इतना भरोसा है। उनका मानना है कि महिलाओं का समय आ गया है और उन्हें अब कोई नहीं रोक सकता। अग्रवाल के मुताबिक, महिलाओं को डिसिजन मेकिंग में ज्यादा जगह मिलनी चाहिए। उन्हें जब आप अपने हिसाब से काम करने की छूट देते हैं, तो उनका कमिटमेंट कहीं ज्यादा स्तर का हो जाता है।

'बिहार को उसका गौरव मिलेगा'

NBT के साथ बातचीत में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बिहार से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं और इस बात की उम्मीद भी जताई कि बिहार को उसका गौरव मिलेगा। क्रिकेट में IPL की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि खेलों का इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाए जाने की जरूरत है। उद्योग में भी बिहार की तस्वीर बदल सकती है। इसके लिए बिहार और झारखंड के मुख्यमंत्रियों को मिलकर विकास का साझा रोडमैप बनाना चाहिए।

> महिलाओं का समय आ गया है। उन्हें डिसिजन मेकिंग में ज्यादा जगह मिलनी चाहिए। जब आप महिलाओं को काम करने की छूट देते हैं तो उनका कमिटमेंट का स्तर कहीं ज्यादा हो जाता है।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कंपनी के डीमर्जर से लेकर महिलाओं की भूमिका तक, कई विषयों पर NBT के साथ विस्तार से बात की। पूरा इंटरव्यू पढ़ें पेज 13 पर